परिशिष्ट-4
शब्दावली

क्रम. सं.	अवधि	विवरण
1	राज्य कार्यान्वयन एजेंसी	राज्य कार्यान्वयन एजेंसी में गैर-सरकारी संगठन सहित कोई भी संगठन/संस्थान शामिल हो सकते हैं जो राज्य में उदाहरणत: एसएसए के लिए राज्य कार्यान्वयन समिति और एनआरएचएम के लिए राज्य स्वास्थ्य अभियान आदि में विशिष्ट कार्यक्रमों के कार्यान्वयन हेतु भारत सरकार से निधि प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत हैं।
2	जीएसडीपी	जीएसडीपी को आय या श्रम का प्रयोग करते हुए उत्पादित माल और सेवा के बाजार मूल्य और मौजूदा कीमतों पर उत्पादन/राज्य की कुल आय के सभी अन्य कारकों के रूप में परिभाषित किया गया है।
3	वृद्धि अनुपात	वृद्धि अनुपात मूल परिवर्ती में दिये गये परिवर्तन के संबंध में राजकोषीय परिवर्ती की अनुक्रियता के लचीलापन या स्थिति को दर्शाता है। उदाहरणत: 0.6 पर राजस्व वृद्धि से तात्पर्य है कि यदि जीएसडीपी एक प्रतिशत बढ़ती है तो राज्स्व प्राप्तियां 0.6 प्रतिशतता बिंदूओं तक बढ़ सकती है।
4	आंतरिक ऋण	इसमें राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएस) को जारी किये गये बाजार ऋण और विशेष प्रतिभूतियां शामिल होती हैं।
5	कोर पब्लिक और मेरिट गुड्स	कोर पब्लिक गुड्स वे हैं जिन्हें सब नागरिक इस रूप में प्रयोग करते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति सामान की इस प्रकर खपत करता है जिससे अन्य व्यक्तियों की खपत

		के लिए इस सामान की कमी न रहे, उदाहरणत: कानून और नियम लागू करना, हमारे अधिकारों की सुरक्षा और बचाव, प्रदूषण रहित हवा और अन्य पर्यावरणीय सुविधाएं और सड़क संरचना आदि। मेरिट गुड्स वे पण्य पदार्थ होते हैं जिन्हें सार्वजनिक क्षेत्र मुफ्त या सब्सिडी दरों पर प्रदान करते हैं क्योंकि समाज को उनकी जरूरत आवश्यकता आधार पर होनी चाहिए न कि सरकार की अदा करने की क्षमता और ईच्छा पर और इसलिए उनकी खपत बढ़ने की ईच्छा रखी जाती है। ऐसे पण्य पदार्थ के उदाहरणों में पोषण बढ़ाने के लिए गरीब हेतु मुफ्त या सब्सिडी वाले योजना का प्रावधान, जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति और मृत्यू को कम करना, सभी को आधारभूत शिक्षा पेय जल और स्वच्छता आदि उपलब्ध कराना शामिल होते हैं।
6	विकास व्यय	व्यय डेटा का विश्लेषण विकास और गैर-विकास व्यय में समुच्चित नहीं है। राजस्व लेखा, पूंजीगत परिव्यय और ऋण तथा अग्रिम से संबंधित व्यय सामाजिक सेवाओं, आर्थिक सेवाओं और सामान्य सेवाओं में श्रेणी बद्ध हैं। वृहद रूप से, सामाजिक और आर्थिक सेवाओं में विकास व्यय शामिल होता है जबकि सामान्य सेवाओं पर व्यय गैर-विकास व्यय के रूप में माना जाता है।
7	ऋण निरंतरता	ऋण निरंतरता को किसी समयावधि में मौजूदा ऋण-जीडीपी अनुपात बनाये रखने के लिए राज्य की योग्यता के रूप में परिभाषित किया जाता है और अपने ऋण के प्रयोग की योग्यता के प्रसंग को भी समाविष्ट करता है। इस प्रकार, ऋण की

		निरंतरता वर्तमान या प्रतिबद्ध दायित्व पूरा करने के लिए मौद्रिक परिसंपत्तियों की पर्याप्तता और ऐसे उधार से रिटर्न सहित अतिरिक्त उधार की लागतों के बीच संतुलन बनाये रखने की क्षमता को भी दर्शाती है। इसका अर्थ है कि राजकोषीय घाटे में वृद्धि ऋण सेवा की क्षमता में वृद्धि के समान होनी चाहिए।
8	गैर-ऋण प्राप्ति की पर्याप्तता (संसाधन अंतर)	राज्य की वृद्धिपूर्ण गैर-ऋण प्राप्तियों की पर्याप्तता में वृद्धिपूर्ण ब्याज देयताओं और वृद्धिपूर्ण प्राथमिक व्यय को कवर किया जाता है। यदि वृद्धिशील गैर-ऋण प्राप्तियां वृद्धिशील ब्याज भार और वृद्धिशील व्यय पूरा किया जाये तो ऋण निरंतरता को सहज रूप से प्राप्त किया जा सकता था।
9	उधार ली गई निधि की निवल उपलब्धता	कुल ऋण प्राप्तियों के ऋण शोधन (मूल+ब्याज भुगतान) के अनुपात के रूप में परिभाषित किया गया है और उस सीमा को दर्शाता है जो उधार ली गई निधि की निवल उपलब्धता दर्शाते हुए ऋण शोधन में ऋण प्राप्तियों को प्रयुक्त किया गया है।
10	गैर ऋण प्राप्तियां	राज्य की वृद्धिपूर्ण गैर-ऋण प्राप्तियों की पर्याप्तता में वृद्धिपूर्ण ब्याज देयताओं और वृद्धिपूर्ण प्राथमिक व्यय को कवर किया जाता है। यदि वृद्धिशील गैर-ऋण प्राप्तियां वृद्धिशील ब्याज भार और वृद्धिशील व्यय पूरा किया जाये तो ऋण निरंतरता को सहज रूप से प्राप्त किया जा सकता था।
11	निवल ऋण उपलब्ध	सार्वजनिक ऋण पुन: भुगतान और सार्वजनिक ऋण पर ब्याज भुगतान में सार्वजनिक ऋण प्राप्तियों की अधिकता।